भारत की माननीय राष्ट्रपति, श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का भारतीय रेल के प्रोबेशनरी अधिकारियों द्वारा मुलाकात के अवसर पर सम्बोधन

राष्ट्रपति भवन : 16.12.2022

अपने जीवन के इस महत्वपूर्ण मोड़ पर करियर शुरू करने के लिए मैं आप सभी को बधाई देती हूँ। आप सभी ने इस पद पर पहुंचने के लिए बहुत समय समर्पित किया है और कड़ी मेहनत की है। आपने, सेवा के लिए भारतीय रेल को चुना है, इसके लिए मैं आपकी सराहना करती हूँ। आप ऐसे समय में सेवा में शामिल हो रहे हैं जब भारत अमृत काल में प्रवेश कर रहा है और आपके लिए देश के बहुमुखी विकास में निर्णायक भूमिका निभाने का उपयुक्त समय है।

प्रिय अधिकारियों

भारतीय रेल को अक्सर 'राष्ट्र की जीवन रेखा' कहा जाता है। भारतीय रेल हमारे विशाल देश को एक सुव्यवस्थित नेटवर्क के माध्यम से जोड़ती है। यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी कि भारतीय रेल में प्रतिदिन जिस बड़ी संख्या में यात्री यात्रा करते हैं, वह कुछ बड़े देशों की जनसंख्या से कहीं अधिक है। यह हमारे विशाल और विविधता भरे देश और उसकी जनता को जोड़े रखने वाले कारकों में से एक है। यह, जनता को बाधा रहित और कुशल सेवा प्रदान करने के लिए काम कर रही अपनी विभिन्न सेवाओं के बीच तालमेल बिठाने का एक प्रसिद्ध उदाहरण है।

मुझे बताया गया है कि आज यहां 8 अलग-अलग रेल सेवाओं के अधिकारी मौजूद हैं। यह उपयुक्त अवसर है जब सुरक्षित और कुशल रेलवे परिवहन प्रणाली सुनिश्चित करने के लिए आप सभी के बीच प्रभावी समन्वय की भूमिका पर जोर देकर कहा जा सके। साथ ही, आज जब भारत, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ रहा है, लोगों और माल की अधिक आवाजाही हो रही है। यह भविष्य में और बढ़ेगी। इसलिए, भारतीय रेल को नवीनतम डिजिटल तकनीकों को अपनाना चाहिए और नए तरीकों का पता लगाना चाहिए ताकि इसे सुरक्षित, समय की बचत, अधिक सुविधावाजनक और उच्च गुणवत्ता की यातायात सेवा बनाने के लिए उन्नत सुविधाएं जोड़ी जा सकें। देश भर में फैले रेल नेटवर्क से विकास को गति मिलती है और इससे रेल नेटवर्क के विस्तार को गति मिलती है।

प्रिय अधिकारियों

रेलवे कई लोगों के लिए वास्तव में जीवन रेखा है जो रोज़मर्रा की नौकरी या व्यवसाय के लिए अपने कार्यस्थलों पर जाते हैं। आप सब पर रोजी-रोटी कमाने में लोगों की मदद करने की एक बड़ी जिम्मेदारी है। कई लोग अपना उपचार करवाने के लिए यात्रा भी करते हैं। आम आदमी के जीवन में रेलवे की भूमिका हमेशा ही महत्वपूर्ण रही है। रेलवे ने देश भर में यात्रा तथा विचारों और जानकारियों के आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया है।

आज, न्यू एंड रिसर्जेंट इंडिया के विजन के अनुरूप, भारतीय रेलवे ने बड़ी विकास परियोजनाएं शुरू की हैं। मुझे यह जानकर खुशी है कि डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर की लंबाई का 56 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरा हो चुका है। इससे उत्पादन और वहन क्षमता में वृद्धि होगी और इससे माल परिवहन में क्रांति आएगी और रेल नेटवर्क में बदलाव आएगा। इन कॉरिडोरों के माध्यम से माल ढुलाई लागत और लॉजिस्टिक लागत में भी महत्वपूर्ण कमी आएगी और औद्योगिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा, मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी के लिए प्रधानमंत्री गति शक्ति, हाई स्पीड रेल प्रोजेक्ट, हाइपरलूप आधारित ट्रांसपोर्ट, चार धाम रेल प्रोजेक्ट, सेतु भारतम जैसे कार्यक्रमों से देश में औद्योगिक, वाणिज्यिक और पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। इससे संसाधनों के समान वितरण को भी काफी बढ़ावा मिलेगा। फलस्वरूप, इससे ऐसा ecosystem तैयार होगा जहां social equity, आर्थिक विकास, सांस्कृतिक जुड़ाव और sustainable development हो।

प्रिय अधिकारियों

हम सभी की ट्रेन यात्रा से जुड़ी यादें होती हैं। यह सुनिश्चित करना भारतीय रेल के अधिकारियों का कर्तव्य है कि लोग आराम से यात्रा करें और उनके साथ अच्छी यादें जुड़ी रहें। आपको दिव्यांगजनों, महिलाओं और बुजुर्गों की आवश्यकताओं को पूरा करना चाहिए ताकि वे सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा कर सकें। भारतीय रेल को इन कमियों को पूरा करने और एक समावेशी और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है।

मैं, रेल सेवाओं में अधिक संख्या में महिला अधिकारी होने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डालना चाहूंगी। महिलाओं को भी रेल सेवाओं को विकल्प के रूप में चुनना चाहिए। मुझे लगता है कि आप इस तथ्य से अवगत होंगे कि भारतीय रेल देश के सबसे बड़े नियोक्ताओं में से एक है। भारतीय रेल, महिला कर्मचारियों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे बहुमूल्य योगदान से क्यों वंचित रहे?

आपके आगे बड़े लक्ष्य प्राप्त करने हैं और उन्हें प्राप्त करने के लिए आपको और अधिक प्रयास करना चाहिए। आपको भारतीय रेल की सेवाओं को अधिक से अधिक कुशल, निर्बाध और ग्राहक-केंद्रित बनाने का लक्ष्य रखना चाहिए। मेरा आग्रह है कि आगे बढ़ते चलें, अपनी क्षमता का लाभ उठाएँ और भारत में परिवर्तन करने वाले बनें।

आप सभी के उज्ज्वल भविष्य के लिए मेरी शुभकामनाएं।

धन्यवाद,
जय हिन्द!